राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 29 | जौनपुर गुरुवार, 11 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लोन धोखाधड़ी में वधावन बंधुओं की 186 करोड़ की संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस कारपोरेशन लि. (डीएचएफएल) और उसके प्रमोटरों के खिलाफ चल रहे बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में 186 करोड़ रुपये से ज्यादा की नई संपत्तियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत की गई। ईडी के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई स्थित 154 फ्लैट और 20 फ्लैटों से जुड़ी रिकवरी योग्य रकम शामिल है। कुल मिलाकर इनकी कीमत 185.84 करोड़ रुपये है। मुंबई जोनल ऑफिस ने 5 सितंबर को जब्ती का आदेश जारी किया था। यह मामला सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है, जिसमें डीएचएफएल के प्रमोटर कपिल वधावन और धीरज वधावन पर 17 बैंकों से लिए गए 273 करोड़ के लोन में धोखाधड़ी का आरोप है। ईडी का आरोप है कि वधावन बंधुओं ने 2017–18 में फर्जी कंपनियों के जरिए डीएचएफएल के फंड ट्रांसफर किए और दलालों के माध्यम से तयशुदा ट्रेड कराकर कंपनी के शेयरों की कीमत और वॉल्यूम में हेरफेर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में अवैध रेत खनन मामले में छापे के दौरान रेत व्यापारी सौरव राय के आवास से 65 लाख रुपये बरामद किए गए।

दिल्ली पुलिस और झारखंड एटीएस की बड़ी कार्रवाई

रांची, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार को रांची के लोअर बाजार इलाके से आईएसआईएस से जुड़े संदिग्ध आतंकी अशहर दानिश को गिरफ्तार किया गया। उसने शहर के इस्लामनगर स्थित तबारक लॉज को ठिकाना बना रखा था। उसके पास से हथियार, केमिकल और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस और एटीएस ने झारखंड के पलामू में भी छापेमारी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आतंकी अशहर दानिश मूल रूप से झारखंड के बोकारो जिले के पेटरवार का रहने वाला है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल काफी समय से उसकी तलाश में थी। उसके खिलाफ दिल्ली में दर्ज एक मामले के आधार पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। विश्वसनीय इनपुट मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और झारखंड एटीएस ने साझा अभियान चलाकर उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद दानिश को दिल्ली पुलिस की टीम रिमांड पर अपने साथ ले जाएगी। सूत्रों के अनुसार, तबारक लॉज में छापेमारी के दौरान पुलिस को हथियार और विस्फोटक सामग्री बनाने में उपयोग होने वाले केमिकल मिले हैं। इसके अलावा लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं, जिनकी तकनीकी जांच कराई जाएगी।

नेपाली सेना ने देशभर में लगाया कर्फ्यू

इंडिगो की काठमांडू के लिए उड़ान सेवाएं रद्द

काठमांडू , (एजेंसी)। नेपाली सेना ने बुधवार को एक बयान जारी कर एलान किया कि बुधवार शाम से देशभर में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। फिलहाल गुरुवार सुबह तक यह कर्फ्यू लागू किया गया है। सार्वजनिक सुरक्षा के लिए नेपाली सेना ने कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। सेना ने कहा है कि कुछ असामाजिक तत्व आंदोलन के नाम पर निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शारीरिक उत्पीड़न की भी शिकायतें मिली हैं। सेना ने कहा है कि कर्फ्यू को आगे बढ़ाने का फैसला हालात की समीक्षा के बाद लिया जाएगा। नेपाल के पूर्व पीएम झलनाथ खनल के घार की तस्वीर, जिसे प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को आग लगा दी थी। इस आगजनी में पूर्व पीएम की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार की जलकर मौत हो गई थी। नेपाल में हिंसा के चलते उड़ान सेवाएं बाधित होने से सैंकड़ों भारतीय वहां फंसे हुए हैं। मुंबई के एक भारतीय नागरिक मयूर पाटिल ने कहा, ‘हम भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन और नेपाल के दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए आए थे। हम 8 सितंबर को यहां पहुंचे। हमने पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन किए, लेकिन अब हम विरोध प्रदर्शनों के कारण फंस गए हैं। हमने भारतीय दूतावास को फोन किया और उन्होंने हमें जहां भी हैं, वहीं सुरक्षित रहने को कहा। वे हमें आगे क्या करना है, इसके बारे में बताएंगे। हमने 8 दिनों के दौरे की योजना बनाई थी। हमारा 15 लोगों का एक समूह हैं। नेपाल की राजधानी काठमांडू में नेपाली सेना गश्त कर रही है, जहां पिछले दो दिनों से हिंसा जारी है और विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था। कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कल इस्तीफा दे दिया। भैरवा में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। नेपाली मीडिया कांतिपुर मीडिया समूह के मुख्यालय में भी मंगलवार को आग लगा दी गई है। इमारत से अभी भी धुआं उठ रहा है। कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कल इस्तीफा दे दिया। नेपाल में हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस ने काठमांडू जाने वाली उड़ानें अगले आदेश तक रद्द कर दी हैं। इंडिगो ने एडवाइजरी जारी कर बताया कि काठमांडू से आने और जाने वाली सभी उड़ानें 10 सितंबर को दोपहर 12 बजे तक रद्द रहेंगी। एयरलाइंस ने काठमांडू एयरपोर्ट के बंद होने को इसकी वजह बताया है। चितवन जिले में जिला प्रशासन कार्यालय में लगाई आग पुलिस ने बताया कि चितवन जिले में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को जिला प्रशासन कार्यालय और उससे सटे चुनाव कार्यालय में आग लगा दी। जिला न्यायालय, भू–राजस्व और सरकारी वकीलों के कार्यालयों में भी आग लगा दी गई, जिससे दस्तावेज नष्ट हो गए। भरतपुर और अन्य इलाकों में नगरपालिका और वार्ड कार्यालयों पर भी हमला किया गया। नेपाली कांग्रेस, यूएमएल और माओवादी केंद्र पार्टियों के स्थानीय कार्यालयों में आग लगा दी गई। भरतपुर के भटभटेनी सुपरमार्केट में मंगलवार शाम लगी आग बुधवार सुबह भी काबू से बाहर थी। नक्खू जेल में भ्रष्टाचार के आरोप में बंद राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व उप प्रधानमंत्री रबि लामिछाने को प्रदर्शनकारियों ने जेल से छुड़ा लिया। उन्हें बीते साल 18 अक्तूबर को गिरफ्तार किया गया था। छात्रों के आंदोलन के बाद जेल प्रशासन ने लामिछाने की सुरक्षा सुनिश्चित करने से मना कर दिया। इसके बाद, उनकी पत्नी निकिता पौडेल ने व्यक्तिगत तौर पर सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें जेल से बाहर निकाला। लामिछाने की रिहाई

प्रधानमंती मोदी वाराणसी में मॉरीशस के पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को वाराणसी का दौरा करेंगे और पने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी करेंगे। साथ ही द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधनों और लोगों के बीच गहरे संबंधों को लेकर होगी। जिसने भारत और मॉरीशस के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। इसके बाद नरेंद्र मोदी बाद में देहरादून के लिए रवाना होंगे। जहां उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, यहां पीएम मोदी अधिकारियों के साथ एक उच्च–स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मंगलवार को मुंबई पहुंचे मॉरीशस पीएम 16 सितंबर तक भारत के दौरे पर हैं। अधिकारियों ने आगे कहा कि दोनों देशों के पीएम अपनी द्विपक्षीय चर्चाओं के दौरान सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के साथ–साथ नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नीली अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा करेंगे। अन्य जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के एक दिन बाद 12 सितंबर को मॉरीशस के प्रधानमंत्री देहरादून एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। प्रदेश में उनका भ्रमण कार्यक्रम बताया जा रहा है। पीएम रामगुलाम आठ दिनों की राजकीय यात्रा के दौरान मंगलवार को मुंबई पहुंचे। उनका 16 सितंबर को वापसी का कार्यक्रम है। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाना है। शुक्रवार को उनका उत्तराखंड भ्रमण का कार्यक्रम है। जिसके तहत वो पहले देहरादून एयरपोर्ट पहुंचेंगे। पीएम मोदी और उनके कार्यक्रम को लेकर देहरादून एयरपोर्ट पर तैयारियां की जा रही हैं।

सीएम योगी ने की गोसेवा, भवानी और भोलू को दुलारा– पुंज को भी खिलाया गुड़

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पशु–पक्षी प्रेम जगजाहिर है। इसका एक नजारा बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में एक बार दिखा। प्रातःकाल मंदिर परिसर भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने गोशाला में गोसेवा की और मोर को भी गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में बुधवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के दौरान उन्होंने पिछले साल आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल

(पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। गोवंश के ये नाम सीएम योगी ने ही रखे हैं। उन्होंने भवानी और भोलू को गुड़ भी खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे। मंदिर की गोशाला में एक मोर भी विचरण करता है। उसका नाम पुंज रखा गया है। विगत कई माह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गोशाला में होते हैं तो पुंज उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री उसे भी खूब स्नेह और भोजन देते हैं। बुधवार को भी उन्होंने पुंज को दुलारा और अपने हाथों से उसे गुड़ खिलाया।

कांग्रेस ने देश के नए उपराष्ट्रपति को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद पर एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत के साथ ही संसद में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। ऐसे में बुधवार को कांग्रेस ने सीपी राधाकृष्णन को जीत की बधाई दी। साथ ही पार्टी ने देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 1952 में राज्यसभा में कहे ऐतिहासिक शब्दों को याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर लोकतंत्र में विपक्ष को सरकार की नीतियों की निष्पक्ष, स्वतंत्र और स्पष्ट आलोचना करने की आजादी नहीं दी जाती, तो वह तानाशाही में बदल सकता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हम सीपी राधाकृष्णन को भारत के नए उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति बनने पर शुभकामनाएं देते हैं। इस मौके पर हम डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उन प्रेरणादायक शब्दों को याद करते हैं, जो उन्होंने 16 मई 1952 को राज्यसभा की पहली बैठक में कहे थे। रमेश ने आगे डॉ राधाकृष्णन के उन शब्दों को कोट किया, जिसमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि मैं किसी एक पार्टी का नहीं हूं, इसका मतलब है कि मैं इस सदन की हर पार्टी का हूं। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं को कायम रखूं और हर दल के साथ निष्पक्षता और सद्भाव से व्यवहार करूं, किसी से द्वेष नहीं और सभी के प्रति सद्भावना रखूं।

महाराष्ट्र-हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के पक्के सबूत मिले : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली की हरचंदपुर विधानसभा सीट पर बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले हमें लगता था कि चुनाव परिणाम में दाल में कुछ काला है पर महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम देखने के बाद हमें वोट चोरी के ब्लैक एंड वाइट सबूत मिले। उन्होंने कहा कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। जनता से उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। हम सब संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने होटल शांति ग्रैंड में प्रजापति समाज की बैठक को संबोधित किया और शहर में अशोक

स्तंभ का लोकार्पण किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लखनऊ एयरपोर्ट पर किया स्वागत

इसके पहले, राहुल गांधी बुधवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे जहां पर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय , कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना राहुल गांधी को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। जिले की सीमा पर पड़ने वाले चुरुवा मंदिर पर नहीं रुका। उनका काफिला हरचंदपुर की तरफ बढ़ गया। राहुल गांधी 10:40 पर बछरावां कस्बे के मुख्य चौराहे पर पहुंचे तो सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दिए गए उनके नारे वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाया। एक मिनट से कम कस्बे के मुख्य चौराहे पर रुक कर राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वह रायबरेली मुख्यालय की ओर रवाना हो गए। सड़क पर बैठे यूपी के मंत्री, वापस जाओ के लगे नारे, पुलिस से धक्कामुक्की कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह उनका स्वागत किया। वहीं, प्रदेश सरकार के उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हरचंदपुर में प्राथमिक विद्यालय के निकट पोस्टर बैनर के साथ राहुल गांधी वापस जाओ के नारे लगाए। इससे राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं और उद्यान मंत्री ने हाईवे पर खड़े होकर राहुल गांधी वापस जाओ के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। उद्यान मंत्री ने पहली बार खुले तौर पर सांसद का विरोध किया है। ऐसे में 11 सितंबर को होने वाली दिशा की बैठक में गहमागहमी होने की संभावना बढ़ गई है। पुलिसकर्मियों ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो इस दौरान उनसे भी भाजपा कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की हुई। सांसद राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान शहर में लगा एक पोस्टर चर्चा का विषय बन गया है। होर्डिंग पर लिखा गया है, इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु , महेश।

अंतरात्मा की आवाज विपक्ष पर ही पड़ गई भारी, सांसदों में दिखा दोस्ताना माहौल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव में संख्या बल की दृष्टि से तय हार के बावजूद इंडिया ब्लॉक की रणनीति विपक्षी एकजुटता साबित करने और सेंधमारी के सहारे सत्तारूढ़ राजग के खेमे में सियासी हलचल मचाने की थी। हालांकि नतीजे बताते हैं कि विपक्ष, सत्तारूढ़ राजग के खेमे में सेंधमारी तो दूर अपना ही घर नहीं संभाल पाया। अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करने की अपील भी विपक्ष पर ही भारी पड़ गई और उसके 14 सदस्यों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। कांग्रेस ने इस चुनाव में संविधान बचाने को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए मतदाताओं से अंतरात्मा की आवाज पर वोट करने की अपील की थी। पार्टी को लगता था कि तेलुगु पृष्ठभूमि के रेड्डी को

उम्मीदवार बनाने के कारण तेलुगु गौरव के नाम पर तेलंगाना में बीआरएस और आंध्र प्रदेश में टीडीपी के समक्ष असमंजस की स्थिति उत्पन्न होगी। हालांकि उसका यह दांव तब फेल हो गया जब बीआरएस ने राजनीतिक कारणों से मतदान से दूरी बना ली, जबकि टीडीपी और जनसेना ने राजग उम्मीदवारों के पक्ष में मत दिया। राजग उम्मीदवार को अपने और इंडिया गठबंधन से समान दूरी रखने वाले दलों के रुख से लाभ मिला। बीआरएस, बीजद, अकाली दल और एक निर्दलीय सांसद ने मतदान से दूरी बनाई। इसका परोक्ष लाभ राजग उम्मीदवार को मिला। इसके अलावा भाजपा ने राजग की सभी सांसदों के साथ वाईएसआरसीपी के सांसदों का अपने उम्मीदवार के पक्ष में वोट डलवाने और विपक्षी गठबंधन में शामिल नाराज सांसदों का अपने पक्ष में वोट डलवाने की रणनीति कारगर रही। इस जीत के जरिये भाजपा केंद्र सरकार के भविष्य में स्थिर रहने और गठबंधन में शामिल दलों में एकजुटता कायम रखने का सियासी संदेश देने में सफल रही। दूसरी ओर विपक्ष क्रॉस वोटिंग और अमान्य घोषित किए गए वोट के कारण आपसी एकजुटता का संदेश देने में नाकाम रही। संख्याबल की दृष्टि से राधाकृष्णन की जीत पहले से तय थी। हालांकि, भाजपा के रणनीतिकारों की जीत का अंतर बड़ा करने की रणनीति थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने जहां गैर राजग–गैर भाजपा दलों से संपर्क साधा, वहीं विपक्षी गठबंधन के सहयोगी दलों के असंतुष्ट सांसदों से भी लगातार संपर्क रखा।

राज्यपाल, मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य, तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्यपाल अभियोजन स्वीकृति देने के मामले में भी मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं। जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री किसी आपराधिक मामले में शामिल हों, तभी राज्यपाल पर ये बाध्यता नहीं होती। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ, राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के मामले में सुनवाई कर रही है। इस पीठ में जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। तेलंगाना सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन रेड्डी ने संविधान पीठ के समक्ष दी अपनी दलील में कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई करते समय सर्वोच्च न्यायालय को विधेयक पर राज्यपाल के ‘अंतर्निहित पूर्वाग्रहों’ पर भी गौर करना चाहिए। सुनवाई के नौवें दिन तेलंगाना के वकील ने कहा कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं होता और वे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं। अनुच्छेद 200 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों के संबंध में राज्यपाल की शक्तियों को नियंत्रित करता है, जिससे उन्हें विधेयक को मंजूरी देने, मंजूरी

रोकने, विधेयक को पुनर्विचार के लिए वापस करने या राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित करने का अधिकार मिलता है। मंगलवार को, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपालों से समय के भीतर कार्रवाई करने की अपेक्षा की जाती है, भले ही अनुच्छेद 200 में ‘यथाशीघ्र’ शब्द न हो। अदालत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए 14 प्रश्नों की जांच कर रही है, जिनमें राष्ट्रपति ने पूछा है कि क्या न्यायिक आदेश राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार के प्रयोग के लिए समय–सीमाएं निर्धारित कर सकते हैं।

संपादकीय

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरुआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन–जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन–दौलत की बदौलत है। इस पोल–खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल–चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन–जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है।

युवा आक्रोश की तपिश में सुलगता नेपाल

कमल

ऐसी अराजक स्थिति में क्या राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल देश को संभालने की जिम्मेदारी सौंपना तार्किक होगा? अफवाहों का बाजार भारत में गर्म है, शक सीआईए पर। लेकिन अमेरिकी परियोजनाएं तो नेपाल में निर्बाध गति से चल रही हैं। ऐसा लगा, जैसे कोलम्बो का

परिदृश्य, नेपाल की राजधानी काठमांडो में उतर आया हो। नेताओं–नौकरशाहों–न्यायपालिका और मीडिया के विरुद्ध इतना गुस्सा नेपाल ने पहली बार देखा। संसद भवन, राष्ट्रपति कार्यालय 'शीतल निवास', प्रधानमंत्री कार्यालय व निवास और मंत्रियों की कोठियों को आग के हवाले कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री, नेपाली कांग्रेस के प्रमुख शेरबहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा, जो देश की विदेशमंत्री हैं, दोनों को बूढ़ा नीलकंठ स्थित आवास में घसीट कर मारा गया। उनके घर को आग लगा दी। देउबा और उनकी पत्नी को सेना की सुरक्षा में अस्पताल ले जाया गया है। प्रचंड, जो सत्ता में नहीं हैं, उन्हें भी उग्र प्रदर्शनकारियों ने नहीं बख्शा। 'प्रचंड' के खुमलाटार आवास पर प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की। प्रचंड भी भूमिगत हैं। सेना की सुरक्षा में सबको सुरक्षित थानों पर ले जाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडो में उस इमारत को भी आग लगा दी है, जिसमें देश का सबसे बड़ा मीडिया हाउस, कांतिपुर पब्लिकेशन्स स्थित है। नेता–नौकरशाह, न्यायपालिका, मीडिया सभी डरे–सहमें। फिर बच क्या जाता है? भरोसे का इतना बड़ा स्खलन। सब कुछ जैसे भरभरा कर गिर गया हो। 'सिंहासन खाली करो, कि जनता आती है', यह शायद केपी शर्मा ओली भांप चुके थे, तभी सेना प्रमुख की सलाह पर पीएम पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। मंगलवार सुबह जेनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बालकोट, भक्तपुर स्थित निजी आवास में आग लगा दी। इस्तीफे के बावजूद लोगों का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ, उन्होंने प्रध ाानमंत्री केपी शर्मा ओली के बलुवाटार स्थित सरकारी आवास में भी आग लगा दी। सरकार में सहयोगी नेपाली कांग्रेस के मंत्री एक–एक कर इस्तीफा दे चुके थे। 3 सितम्बर को चीनी विजय दिवस समारोह में पीएम ओली उपस्थित थे। उनके काठमांडो लौटते ही नेपाली कांग्रेस के नेता शेखर कोइराला चाइना चले गए। वहीं से कल रात निर्देश दिया कि उनकी पार्टी के मंत्री इस्तीफा दे दें। क्या केपी शर्मा ओली में थिएनआनमन स्क्वायर जैसा दमन करने की कुव्वत नहीं थी? काठमांडो में एक इलाका है, भैंसेपाटी। इसके कॉम्प्लेक्स में मंत्रियों व शीर्ष अधिकारियों की कोठियां हैं। मंगलवार दोपहर होते–होते संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर में आग लगा दी गई, फिर बाकी घर भी धू–धू जलने लगे। आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच नेपाली सेना ने हेलीकॉप्टरों की मदद से भैंसेपाटी में छुपे मंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों को निकालना शुरू कर दिया। मंगलवार को ही एक नाटकीय घटनाक्रम में, जेन–जेड प्रदर्शनकारियों ने नक्खू जेल में घुसकर पूर्व मंत्री व पत्रकार रबी लामिछाने को छुड़ा लिया। जेल से भगा ले जाने की यह साहसिक घटना देश भर में जेन–जेड प्रदर्शनकारियों द्वारा बढ़ती अशांति और लगातार बढ़ रहे दुस्साहसिक कार्यों को रेखांकित करती है। ऐसी अराजक स्थिति में क्या राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल देश को संभालने की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं? अफवाहों का बाजार भारत में गर्म है, शक सीआईए पर। लेकिन अमेरिकी परियोजनाएं तो नेपाल में निर्बाध गति से चल रही हैं। फिर क्या ओली के चीन जाने से ऐसा कोई षड्यंत्र संभव है? ठीक से देखा जाये, तो नेपाल एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो चुका है। 2022 के दौरान श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के कारण खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई थी। लोगों का विद्रोह हुआ और वे सड़कों पर उतर आए। मंत्रियों, जजों को घसीट कर मारा, राष्ट्रपति निवास में घुस गए। नेपाल में सोशल मीडिया के जरिये ऐसी आग लगेगी, इसके बारे में किसी ने सोचा न था। दस ऐसे देश इरिट्रिया, उत्तर कोरिया, तुर्कमेनिस्तान, सऊदी अरब, चीन, वियतनाम, ईरान, इक्वेटोरियल गिनी, बेलारूस और क्यूबा में सोशल मीडिया का खुलापन नहीं है, बल्कि पूरी तरह सरकार नियंत्रित है। लेकिन यहां नेपाल जैसा विद्रोह क्यों नहीं हुआ? नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां भी शायद न बनें, कि ओली को देश छोड़कर भागना पड़ जाये। लेकिन जो कुछ हुआ, उसमें पहले ओली, फिर प्रचंड और अंत में सुप्रीम अदालत की जिम्मेदारी तो बनती है। प्रचंड ने तो केपी शर्मा ओली सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर बैन लगाने की आलोचना की थी। लेकिन, प्रचंड भूल गए थे कि, 13 नवंबर, 2023 को सामाजिक सद्भाव पर बढ़ते प्रतिकूल प्रभावों का हवाला देते हुए उन्होंने ही टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया था? अगस्त, 2024 में टिकटॉक ने जब खुद को रजिस्टर किया, फिर उस पर से बैन हटा। इसी तरह, जुलाई, 2024 में 'टेलीग्राम' पर भी धोखाधड़ी और धन शोधन में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था। पहले ओली, फिर प्रचंड के कार्यकाल में ही सोशल नेटवर्क को नकेल पहनाने की शुरुआत हुई थी। केपी शर्मा ओली जब 15 फरवरी, 2018 से 14 मई, 2021 तक प्रधानमंत्री थे, दिसंबर, 2020 में, अधिवक्ता बी.पी. गौतम और अनीता बजगैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशी विज्ञापनों सहित अप्रतिबंधित प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की माँग करते हुए रिट दायर की थी। इसी तरह नेपाल केबल टेलीविजन फेडरेशन के महासचिव मनोज गुरुंग ने भी एक रिट दायर की थी। लेखक खगेंद्र संगरौला बताते हैं, 'सर्वोच्च न्यायालय ने केवल सोशल मीडिया को विनियमित करने और उसे जिम्मेदार बनाने के लिए कहा था, लेकिन ओली सरकार ने राष्ट्रवाद के बहाने असहमति को दबाने का मार्ग ढूंढ़ लिया।' नेपाल से बाहर जो लोग हैं, उन्हें लगता है, ओली सरकार के 'देहावसान' के बाद 'राजा लाओ देश बचाओ' की भविष्यवाणी सही साबित होगी। मगर, क्या जेन–जेड आंदोलनकारी राजतन्त्र की वापसी स्वीकार करेंगे? नेपाल में लेफ्ट–राइट दोनों पार्टियां, जेन–जेड को समर्थन देने के वास्ते एड़ी–चोटी लगा रही हैं। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने निराश युवाओं को प्रोत्साहित किया, बल्कि दुर्गा प्रसाद जैसे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेता और अन्य राजभक्तों ने आग को और भड़काने का काम किया। विपक्षी दलों, सीपीएन (माओवादी सेंटर), और राजशाही समर्थक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता युवाओं को उत्तेजित कर अपना उल्लू सीधा करना चाह रहे थे।

अब हिमालय बसाओ अभियान की जरूरत

हिमालय बचाओ नीति में विकास योजनाओं के पर्यावरण व जन जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर अंकुश लगाने का मुद्दा प्रमुख रहा। विकास कार्यों में स्थानीय भागीदारी, रोजगार व पुनर्वास प्रमुख मुद्दे थे। लेकिन अब हिमालय बचाओ नीति में हिमालय बसाओ नीति की रणनीति का भी समावेश करना होगा। साठ के दशक में भारत में पहली बार 'हिमालय बचाओ' का नारा चर्चा में आया था। उस समय तक तिब्बत में चीन जम गया था। भारत–चीन युद्ध हो चुका था। स्वाभाविक था कि उस समय के हिमालय बचाओ अभियान के उद्देश्य प्रमुखतया सामरिक व सांस्कृतिक थे। इसमें पड़ोसी हिमालयी देशों में आपसी विश्वास व मेलजोल बनाना भी शामिल था। डॉ. राममनोहर लोहिया इस विचार के प्रवर्तकों में से एक थे। तिब्बत से एकजुटता को भी इससे जोड़ा गया। सत्तर के दशक में वैश्विक मंचों में पर्यावरण की बातें मुख्य मुद्दा बनने लगी थीं। 1970 व 80 के दशक में हिमालय में भी व्यावसायिक वन कटान तथा अंधाधुंध खनन से मानव व प्रकृति को होने वाले नुकसान के खिलाफ जन आन्दोलन प्रारंभ हुए। चमोली में सफल चिपको आन्दोलन हुआ। मसूरी, देहरादून, टिहरी गढ़वाल में चूना खदानों से हिमालय व हिमालय वासियों को नुकसान के मद्देनजर खनिज खदानें बन्द करवाने को लेकर आन्दोलन हुए। पर्यावरणीय चेतना और टिहरी बांध विरोधी आन्दोलन के दौरान सुन्दरलाल बहुगुणा के आह्वान पर मई, 1992 में पुनः नये संदर्भों में 'हिमालय बचाओ' अभियान को जन्म दिया गया। इसके तहत टिहरी बांध जलाशय में समाहित पुरानी टिहरी के भागीरथी तट पर हिमालय से जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक व वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हुआ। इस अभियान ने मुख्यतया हिमालयी वनों की तबाही रोकने की अपील की गई। आमजन को भी अनुभव होने लगा कि वन उपज और खनिज के लिए खोखला होता हिमालय अब उसके कुदरती जल संसाधनों के व्यावसायिक दोहन के कारण भी आघात ग्रस्त हो रहा है। उसके पारम्परिक जलस्रोत और नदियां सूख रही हैं। उसकी नदियों को कहीं मोड़ा जा रहा है, कहीं सुरंगों में डाला जा रहा है तो कहीं सुखाया जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में हिमालय बचाओ अभियान में नदियों और नदी घाटियों को बचाने के मुद्दे प्रमुख बन गये हैं। बीते दशकों में हिमालयी नदियों पर बने जलाशयी बांधों के कुप्रभावों का अनुभव विस्थापन व नदियों की उपजाऊ घाटियों को डुबाये जाने के परिणामों से होने लगा है। वर्ष 2012 की हिमालय लोक नीति के तैयार प्रारूप में कहा गया था कि अधिकतर हिमालयी राज्यों की सरकारों ने नदियों को रोककर विद्युत ऊर्जा बनाने के लिए सैकड़ों हाइड्रो प्रोजेक्ट निर्माण का बीड़ा उठा लिया है। लेकिन इन जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण से पहले जन जीवन पर असर व इनसे सम्पूर्ण हिमालयी जन–जीवन खतरे में पड़ता नजर नहीं आ रहा है। इन परियोजनाओं से आजीविका के प्राकृतिक संसाधनों का अतिक्रमण भी हो रहा है। इस समय हिमालयी क्षेत्रों में प्रस्तावित, निर्माणाधीन व निर्मित करीब 1000 हाइड्रो प्रोजेक्ट हैं। इनके कारण लोगों का बड़ी संख्या में विस्थापन चिंता की बात है। हिमालयी नीति, जिसे बनाने के लिए बार–बार केन्द्र पर दबाव डाला जाता रहा है, केवल हिमालय बचाओ नीति तक ही सीमित नहीं हो सकती है। इसमें हिमालय बसाओ नीति की रणनीति का भी समावेश करना होगा। क्योंकि कई क्षेत्र सामरिक महत्व के भी हैं। हालांकि आये दिन जलवायु बदलाव व मानवीय लालच से आपदा झेलते भारतीय हिमालय में बसाओ का काम भी आसान नहीं। सूची में रोज ऐसे गांव–कस्बे जुड़ रहे हैं जो भूधंसाव व भूस्खलनों के कारण वहां के बाशिन्दों के लिए असुरक्षित हो गये हैं। विकास व पर्यावरण संरक्षण को लेकर स्थानीय समुदाय की आकांक्षाओं व आशंकाओं दोनों को नजरअन्दाज किया जा रहा है।

.... विविध ....

सक्रिय जीवनचर्या देगी बैली फैट से मुक्ति

हर किसी की चाह होती है कि फॉर्मल हो या कैजुअल, पहनावा उस पर फबे। आप जो ड्रेस लेकर आएं उसमें पेट भी लटका नजर नहीं आए। इसके लिए चाहिये टोंड बॉडी। लेकिन गलत जीवनशैली शरीर को बेडौल बनाती है। हल्का भोजन और सक्रिय जीवनचर्या पेट की चर्बी कम करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

महिलाएं अक्सर अपने बैली फैट को लेकर परेशान रहती हैं कि कितनी ही कोशिशों के बाद बैली फैट कम होने का नाम ही नहीं लेती है। ऐसे में क्या करें कि बैली कम हो जाए और जो आप जो ड्रेस लेकर आई हैं उसमें पेट भी लटका नजर नहीं आए। दरअसल इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी तभी बैली फैट कम हो पाएगा। जानिये बैली फैट के कारण क्या हैं और उसे आप कैसे सही शेप में ला सकती हैं–

बैली फैट बढ़ने के कारण

कभी भी शरीर का फैट अपने आप से नहीं बढ़ता है उसके बहुत से कारण होते है और उसका सबसे बड़ा कारण आपकी जीवनशैली होती है। गलत जीवनशैली आपके शरीर को बेडौल तो बनाती है साथ ही बहुत सी बीमारियां भी लग जाती है।

बहुत ज्यादा कैलोरी का सेवन

ज्यादातर देखने में आता है कि खानपान में बहुत ज्यादा जंक फूड,तला–भुना खाना,कोल्ड ड्रिंक्स शरीर में कैलोरी की मात्रा को बढ़ा देते हैं जिससे ये कैलोरी फैट की तरह शरीर में जमना आरम्भ कर देती है। इसके असर से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है।

हार्मोनल असंतुलन

अक्सर महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन की दिक्कत देखी जा रही है। प्रेग्नेंन्सी और मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव तेजी से होते हैं। साथ ही ध्यान नहीं दिया जाए तो इसी दौरान सबसे ज्यादा फैट शरीर में जमा होता है। आजकल तो एक नई दिक्कत पीसीओडी और पीसीओएस के कारण पेट पर चर्बी तेजी से बढ़ती है।

तनाव और अपर्याप्त नींद

दिमाग पर हमेशा तनाव बने रहना और नींद भी सही से नहीं लेना भी एक बहुत बड़ी वजह है। क्योंकि इसके कारण शरीर अधिक मात्रा में कॉर्टिसोल हार्मोन रिलीज करता है। यह पेट के आसपास फैट जमा करने का काम करता है और मेटाबॉलिज्म भी धीमी गति से कार्य करता है। जिससे कैलोरी जलने की बजाए जमा होने लगती है।

व्यायाम का अभाव

सारे दिन कम्प्यूटर के आगे कार्य करना और घर पर होने पर कोई ऐसा कार्य नहीं करना जिससे शरीर कुछ गतिविधि करे। दरअसल सिर्फ बैठे रहने से तेजी से वजन बढ़ता है। वहीं किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी नहीं है और ऊपर से जो मर्जी फैट वाले फूड खाए जा रही हैं तो चर्बी बढ़ेगी ही।

ऐसे कम करें पेट की चर्बी

बैली फैट को आप सही जीवनशैली से काबू में ला सकती हैं। जिसमें नियमित दिनचर्या, सक्रियता व व्यायाम और संतुलित भोजन शामिल है। जैसे–

खानपान में बदलाव व हल्का भोजन

सबसे जरूरी है कि आप अपने खान पान में बदलाव लाएं। जंक फूड और तला–भुना खाने से बचें। साथ ही जितना हो सके फल सब्जियां और सूप जैसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। दालें, पनीर, नट्स जैसे प्रोटीन युक्त फूड्स खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और मसल्स भी मजबूत होती हैं। इससे आपका फैट तो कम होगा ही साथ ही चेहरे की चमक भी अलग से दिखेगी। वहीं पर्याप्त पानी पीने की आदत डाल लें क्योंकि पानी शरीर में से फैट को कम करने में मददगार है है।

अच्छी तरह एक्सरसाइज

अक्सर महिलाएं सोचती है कि खाना खाना छोड़ दो तो वजन कम भी हो जाएगा और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी। दरअसल इससे आपका वजन तो कम होगा लेकिन पेट की चर्बी कम नहीं होगी। साथ ही शरीर में से विटामिन्स भी कम हो जाएंगे। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित रूप से रोज एक घंटे का व्यायाम करें जिसमें कार्डियो एक्सरसाइज पर ध्यान देना है। तेज वॉकिंग, जॉगिंग, साइकिलिंग और रस्सी कूदना फैट बर्न करने में सबसे ज्यादा असरदार होते हैं। साथ ही कोर स्ट्रेंथ एक्सरसाइज प्लैंक, क्रंचेज, लेग रेज और बर्पीज पेट की मसल्स को मजबूत करते हैं और पेट को टोंड बनाते हैं। कपालभाति, भुजंगासन और नौकासन जैसे योगासन आपके पेट की चर्बी को कम करने में मदद कर सकते हैं।

डिटॉक्स बेहद असरदार

जरूरी है कि आप रोज सुबह खाली पेट डिटॉक्स करने वाले पेय पीएं। इसके लिए आपको पूरी रात एक खीरा,एक नींबू,एक आंवला और एक चुकंदर को स्लाइस में काटकर दो गिलास पानी में भिगो देना है और सुबह उठकर इसे पीना है। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करने के साथ पेट की चर्बी को घटाता है। वहीं ग्रीन टी को चाय की जगह दें क्योंकि गीन टी चर्बी घटाने में काफी असरदायक साबित होती है।

पूरी नींद

जरूरी है कि आप नींद लेने में कंजूसी नहीं करें। दरअसल नींद लेने से शरीर का हार्मोनल संतुलन सही रहता है। आपको तनाव भी कम होता है और आपको वर्कआउट करने में अच्छा खाना खाने का मन करता है जिसका असर आपकी पूरी बॉडी पर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि आप रोजाना 7 से 8 घंटे तक सोएं।

योग करें रोज तो खुशनुमा हो मूड

कई दिन लगातार बारिश के चलते धूप न आना, घर से बाहर न जा पाना और थमी सी दिनचर्या सुस्ती पैदा करती है। ऐसी स्थितियों में योग असरकारी मूड बूस्टर साबित हो सकता है, जो शरीर को सक्रिय रखता है व मन को बेहतर बनाता है। कई योगासन व प्राणायाम शरीर में हैप्पी हार्मोन को बढ़ाते हैं। बारिश के दिनों में जब मन अलसाया सा रहता है, तो योग नेचुरल मूड बूस्टर की भूमिका निभाता है। इसके पीछे गहरी वैज्ञानिक समझ मौजूद है। दरअसल बरसात में कई बार मन, मिजाज पर भारी पड़ता है। लगातार बादल घिरे रहना, सूरज की गैरमौजूदगी, घर से बाहर निकलने में असुविधा और थमी हुई दिनचर्या, लोगों को मानसून ब्लूज या अवसाद के घेरे में पहुंचा देता है। ऐसी स्थितियों में योग असरकारी मूड बूस्टर बनकर उभरता है, जो न केवल शरीर को सक्रिय रखता है बल्कि मन को भी बेहतर बनाता है। योग शरीर को स्ट्रेच करता है बल्कि दिमाग को भी रिफ्रेश करता है। शरीर के जरूरी हार्मोनों को सक्रिय करता है और मूड बूस्टर बनकर उभरता है।

सेरोटोनिन और एंडोर्फिन की जुगलबंदी

ये दोनो हार्मोन फील गुड हार्मोन कहलाते हैं और कई ऐसे योगासन हैं जिनके करने से ये हार्मोन तेजी से रिलीज होते हैं। जैसे सूर्य नमस्कार, यह योगासन शरीर को गर्मी देते हैं और थकावट भगाते हैं। ये हमारे मूड को खुशनुमा बनाते हैं। वज्रासन भी मानसून के दिनों के सुस्ती भगाने का महत्वपूर्ण साधन है। इसके अलावा कई आसन फील गुड हार्मोन का स्राव कराकर हमारे मन मस्तिष्क को सक्रिय और ऊर्जावान बनाते हैं, उनमें हैं– बालासन यानी चाइल्ड पोज और शवासन। बालासन मन में गहरी शांति पहुंचाता है और शरीर से फील गुड हार्मोन रिलीज होते हैं।

इसी तरह शवासन भी इन दिनों बहुत फायदेमंद योगासन होता है। क्योंकि यह थकावट और चिड़चिड़ेपन दोनो में लाभकारी होता है। इन दिनों अगर नियमित रूप से ये आसन किए जाएं तो हमारे शरीर से कोर्टिसोल का स्तर घटता है। कोर्टिसोल दरअसल तनाव पैदा करने वाला हार्मोन है, जो उन लोगों में बहुत कम रिलीज होता है, जो बारिश के दिनों में नियमित रूप से सक्रिय रहते हैं।

बिना साइड इफेक्ट का अभ्यास

वास्तव में योग कोई दवा या लत नहीं है, यह बिना किसी साइड इफेक्ट के एक ऐसा अभ्यास है, जो हमारे शरीर को वही फायदे देता है, जो कई जड़ी बूटियों और दवाओं से मिलते हैं। इसलिए बारिश के दिनों में बाकी किसी मौसम के मुकाबले कहीं ज्यादा योगासन करने की जरूरत होती है। इसके लिए घर में खुले कमरे में रोज आधे से एक घंटे तक योगासन करने चाहिए। ऐसा करने से शरीर तो स्वस्थ और सुंदर बनता ही है, भावनाएं भी सकारात्मक हो जाती हैं।

कुदरती मूड बूस्टर

योग को प्राकृतिक मूड बूस्टर इसलिए माना जाता है कि इसकी कुछ विशेष क्रियाएं शरीर के हार्मोनल बदलाव में बड़ी भूमिका निभाती हैं। योगासन व प्राणायाम सिर्फ मूड बूस्टर हार्मोन ही नहीं रिलीज करते बल्कि यह कोर्टिसोल नामक नकारात्मक हार्मोन को भी बनने से रोकते हैं, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और तनाव से मुक्ति भी। गौरतलब है कि कोर्टिसोल हार्मोन हमारी अनिद्रा, बेचौनी और डिप्रेशन के लिए जिम्मेदार होता है। हमें बारिश के दिनों में योग करने से विशेषकर बालासन और शवासन से तनाव से मुक्ति मिलती है। इन दिनों विशेषकर अनुलोम–विलोम, भ्रामरी और उज्जायी से मस्तिष्क को ताजगी और शांति मिलती है।

मिटाए ऊब और अकेलापन

बारिश के दिनों में ऊब और अकेलापन भी एक बड़ी समस्या होती है। घर से बाहर जाकर मनोरंजन करने या मूड बदलने की हिम्मत नहीं होती और घर में पड़े पड़े डिप्रेशन की गिरफ्त में आते हैं। ऐसे में बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलें, प्रकृति के बीच विचरण करें और योग करें तो इस तरह के सारे अकेलेपन के भाव दूर हो जाते हैं। बारिश के दिनों में मूड बेहतर करने के लिए सूर्य नमस्कार कारगर है। इससे शरीर का रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह महसूस होता है। वहीं बालासन करने से मन को शांति मिलती है, जो कई रासायनिक प्रक्रियाओं के साथ मन को स्फूर्तिदायक चेतना प्रदान करता है। सेतुबंध आसन, अनुलोम–विलोम और वज्रासन तथा भ्रामरी प्राणायाम सुस्ती और थकान दूर करके दिल दिमाग को ऊर्जा से लबरेज करते हैं। योगासन मूड बूस्टर तो हैं, लेकिन इन दिनों नमी वाले फर्श पर योगासन न करें। वहीं चुस्त, दुरुस्त यानी जिम में पहने जाने वाले कपड़े पहनकर भी कभी योगासन न करें। हल्के, सूती कपड़े पहनकर ही योगाभ्यास करें। वहीं भोजन के कम से कम ढाई से तीन घंटे बाद ही आसन करें वर्ना पाचन की समस्या हो सकती है।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित, नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी, बनाई गई टीम

लखनऊ, (संवाददाता)। नेपाल में चल रहे आंतरिक विद्रोह और बगावत के बीच यूपी सरकार अलर्ट मोड पर है। प्रदेश की सीमाओं को सील करने के साथ–साथ सोशल मीडिया पोस्ट पर निगरानी की जा रही है। पुलिस की एक विशेष यूनिट सोशल मीडिया पोस्ट पर निगाह रख रही है। किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। सीमावर्ती इलाकों में तनाव के हालात पर नजर रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने नेपाल सीमा से सटे सभी जिलों में पुलिस को 24 घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। इलाकों में अतरिक्त पुलिस फोर्स की भी तैनाती कर दी गई है। पुलिसकर्मी लगातार पेट्रोलिंग और निगहबानी कर रहे हैं। यूपी सरकार ने पुलिस मुख्यालय को सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि मामला संवेदनशील होने पर तुरंत कार्रवाई करें। वहीं, नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है। इसकी जिम्मेदारी एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश को सौंपा गया है। एडीजी अमिताभ ने बताया कि सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस गश्त और निगरानी को सुदृढ़ किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। डीजीपी मुख्यालय की कानून–व्यवस्था शाखा में स्थापित विशेष नियंत्रण कक्ष में तीन हेल्पलाइन नंबर और एक व्हाट्सएप नंबर दिन–रात संचालित रहेंगे। इसके जरिये लोग सीधे मदद प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया इकाई को निर्देशित किया गया है कि नेपाल से संबंधित किसी भी संवेदनशील सूचना अथवा पोस्ट की लगातार निगरानी करने के साथ आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यवाही की जाए।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पिछड़ गई राजधानी लखनऊ, चौथे से 15वें स्थान पर

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण–2025 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले 47 शहरों में अपना शहर 10 पायदान नीचे खिसककर 15वें स्थान पर पहुंच गया है। शहर को 200 में से 179 अंक मिले हैं, जो पिछले साल के 189 अंकों से 10 अंक कम है। इस सर्वेक्षण में तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों में रायबरेली को 7वां स्थान मिला है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमईएफसीसी) की ओर से यह वार्षिक सर्वेक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सड़क धूल प्रबंधन, वाहन उत्सर्जन नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन में कमी जैसे मानकों पर शहरों का मूल्यांकन करता है। इस बार पर्यावरण की सेहत सुधारने में नगर निगम के प्रयास नहीं दिखे। पिछले वर्ष लखनऊ 189 अंकों के साथ चौथे स्थान पर था, जबकि 2022 में यह 177.7 अंकों के साथ शीर्ष पर था। 2023 में 20 टन पुराने कचरे के जमा होने के कारण शहर ने सर्वेक्षण से बाहर होने का विकल्प चुना था। नगर निगम के पर्यावरण अधिकारी संजीव प्रधान के अनुसार सर्वेक्षण में इस कमी के लिए आरटीओ, एलडीए और ग्रीन गैस सहित कई अन्य विभाग भी जिम्मेदार हैं, जिससे अंक कटे हैं।

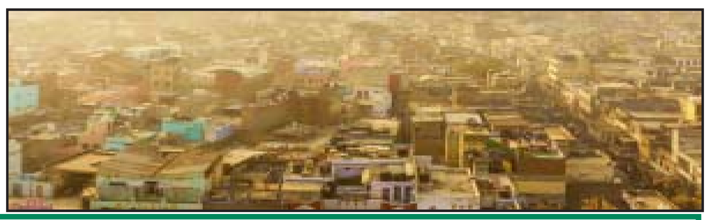

संक्षिप्त खबरें

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़,पिता–पुत्र गिरफ्तार,हथियारों का जखीरा बरामद

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। जिले के लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल की। शाहगढ़ मठिया गांव में एक मकान से संचालित अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर पुलिस ने पिता–पुत्र को गिरफ्तार किया है। मौके से भारी मात्रा में तैयार व अधबने असलहे, कारतूस, हथियार बनाने के औजार और कच्चा माल बरामद हुआ है।लंभुआ क्षेत्राधिकारी अब्दुस सलाम खान ने बताया कि सूचना पर प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार राय और एसओजी टीम ने छापेमारी की। मकान के अंदर पूरी तरह सक्रिय असलहा फैक्ट्री मिली। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले कई वर्षों से असलहे बनाकर ऊंचे दामों पर आस–पास के जिलों में सप्लाई करते थे।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीप नारायण पुत्र स्वर्गीय गोमती प्रसाद और अजय कुमार पुत्र दीप नारायण निवासी खादर बसंतपुर मझौआ थाना कुड़वार के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि दोनों की कुड़वार बाजार में वेल्डिंग की दुकान भी है और इनका आपराधिक इतिहास रहा है।क्षेत्राधिकारी अब्दुस सलाम खान ने कहा कि इस फैक्ट्री के पीछे किसी संगठित गिरोह का नेटवर्क हो सकता है। पुलिस आरोपियों से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। इस मामले में आर्म्स एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शेष बचा कार्य कुछ ही दिनों में पूरा हो जाएगा

अयोध्या।प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या के विकास के नाम पर करोड़ों रुपया तो पानी की तरह बहाया गया परंतु विकास के नाम पर कुछ होता दिखाई नहीं दे रहा।चाहे वह रामपथ हो,सीवर लाइन का कार्य हो तथा इसके साथ ही साथ राम पथ के अलावा अन्य प्रमुख मार्गों पर फैंसी लाइटें लगाने का कार्य हो।अभी तक लोक निर्माण विभाग तथा बिजली विभाग के आला अधिकारी एक दूसरे विभाग के अधिकारियों पर आरोप प्रत्यारोप करते हुए नजर आ रहे हैं जिसका नतीजा यह दिखाई पड़ रहा है कि अभी तक पोलों पर कई जगह तो लाइट नजर आ रही है या फिर कहीं पल है लाइट नहीं है या फिर पाल और लाइट है तो वह ट्रांसफार्मर के और बिजली आपूर्ति के न होने के चलते जल नहीं पा रही है।बताते चलें कि शहर के रायबरेली तिराहा से नवीनमंडी के सामने से होते हुए गोरखपुर लखनऊ बाईपास ओवर ब्रिज संपर्क मार्ग पर लगी है। स्थानीय लोगों की माने तो इन लाइटों को लगे हुए लगभग 9 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक यह जलते हुए नहीं दिखाई दे रही है।लोक निर्माण विभाग कार्यालय मे तैनात अधिकारियो व कर्मियों के मुताबिक इस मार्ग की दूरी लगभग 750 सौ मीटर है, जिस पर 15–15 मीटर की दूरी पर लगभग 70 लाइटे लगी हुई है।विभागीय जिम्मेदारो का कहना है कि जल्द ही इस मार्ग पर लाइट जलने लगेंगी। ट्रांसफार्मर लग गया और कनेक्शन भी हो चुका है। बताया कि लाइटों की टेस्टिंग भी की जा चुकी है।

उत्तर कुंजी हुई जारी, दो दिन की परीक्षा में 19 लाख परीक्षार्थी हुए थे शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। अधिनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से समूह ग की भर्ती के लिए जरूरी प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की लिखित परीक्षा छह–सात सितंबर को आयोजित की गई थी। आयोग की ओर से इसकी उत्तर कुंजी अपनी वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यह 15 सितंबर तक आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। आयोग की ओर से प्रदेश के 48 जिलों के 1,479 परीक्षा केन्द्रों पर कुल चार पालियों में परीक्षा आयोजित की गयी थी। परीक्षा के लिए कुल 25,31,996 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिनमें से कुल 19,41,993 अभ्यर्थी (76.70:) उपस्थित तथा 5,90,003 अभ्यर्थी (23.30:) अनुपस्थित रहे हैं। परीक्षा में दोनों दिनों में कुल 31 सॉल्वर और नकलची पकड़े गए थे।

नेपाल से सटे जिलों में घोषित हुआ हाई अलर्ट, पुलिस ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

लखनऊ, (संवाददाता)। नेपाल में हिंसा भड़कने के बाद डीजीपी राजीव कृष्ण ने यूपी के सभी सीमावर्ती जिलों में पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। वहीं, नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है। इसकी जिम्मेदारी एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश को सौंपा गया है। एडीजी अमिताभ ने बताया कि सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस गश्त और निगरानी को सुदृढ़ किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। डीजीपी मुख्यालय की कानून–व्यवस्था शाखा में स्थापित विशेष नियंत्रण कक्ष में तीन हेल्पलाइन नंबर और एक व्हाट्सएप नंबर दिन–रात संचालित रहेंगे। इसके जरिये लोग सीधे मदद प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया इकाई को निर्देशित किया गया है कि नेपाल से संबंधित किसी भी संवेदनशील सूचना अथवा पोस्ट की लगातार निगरानी करने के साथ आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यवाही की जाए। नेपाल के काठमांडू में चल रहे उग्र प्रदर्शन की आग मंगलवार को बहराइच से सटे नेपालगंज तक पहुंच आई। हालात इतने बिगड़ गए कि नेपालगंज प्रशासन को फायरिंग करनी पड़ी। तनाव के कारण भारत–नेपाल सीमा को 24 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। सीमा पर आम आवाजाही पूरी तरह ठप है। नेपाल में फंसे लोगों को पहचान पत्र की जांच के बाद ही भारत में दाखिल होने दिया जा रहा है। नेपाल से लगी पगडंडियों पर नाइट वीजन ड्रोन से भी नजर रखी जा रही है। मंगलवार सुबह से ही नेपालगंज के धंबोजी चौक, बीपी चौक और नगरपालिका कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में युवा जमा हो गए। हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया। सेना और एपीएफ (सशस्त्र पुलिस बल) ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग की, जिसके बाद युवाओं ने सड़क पर टायर जलाकर माहौल और गरमा दिया। देर शाम तक नेपालगंज की सड़कें सुरक्षा बलों और युवाओं की झड़प का अखाड़ा बनी रहीं। नेपालगंज में बवाल बढ़ते ही सीमा पर तैनात एसएसबी और स्थानीय पुलिस सतर्क हो गई। क्षेत्राधिकारी प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि नेपालगंज में बिगड़े हालात को देखते हुए सीमा को 24 घंटे के लिए सील कर दिया गया। सीमावर्ती क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है। बहराइच के एसपी रामनयन सिंह ने बताया कि नेपाल की स्थिति को देखते हुए सीमावर्ती थाने रुपईडीहा, सुजौली, मोतीपुर और नवाबगंज को अलर्ट किया गया है। लगातार निगरानी की जा रही है। भारत–नेपाल सीमा पर मंगलवार शाम तनाव की स्थिति बन गई। नेपाल के उपद्रवियों ने भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एसएसबी और पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए उन्हें खदेड़ दिया।

नेपाल के जमुनहा पुलिस चौकी क्षेत्र में उत्पात मचा रहे उपद्रवी लाठी–डंडों से लैस होकर भारतीय सीमा की ओर बढ़ आए। इस बीच सतर्क एसएसबी और पुलिस ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया और उपद्रवियों को खदेड़कर सीमा से दूर किया। एसएसबी कमांडेंट गंगा सिंह रावत ने बताया कि सीमा क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए गश्त और निगरानी लगातार बढ़ा दी गई है। सीमा पर किसी भी तरह की अवांछित गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

अभियान में 30 जनपदों में आम जनता से सुझाव प्राप्त

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार के "समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश/2047" अभियान के तहत 8 और 9 सितंबर, 2025 को राज्य के 30 लक्षित जनपदों में नोडल अधिकारियों और प्रबुद्धजनों द्वारा व्यापक भ्रमण किया गया। इस दौरान छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयंसेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया एवं आम जनमानस के साथ प्रदेश की पिछले आठ वर्षों की विकास यात्रा के बारे में जानकारी साझा की गई और भविष्य की विकास योजनाओं के रोड मैप पर चर्चा कर फीडबैक प्राप्त किया गया।प्रदेश के प्रमुख सचिव नियोजन, श्री आलोक कुमार ने बताया कि आम जनमानस की राय एवं सुझाव प्राप्त करने हेतु विकसित पोर्टल पर कुल 50,138 फीडबैक प्राप्त हुए हैं। इनमें से 39,969 ग्रामीण क्षेत्रों और 10,169 नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। आयु वर्ग के अनुसार 16,655 सुझाव 31 वर्ष से कम उम्र के लोगों से, 30,224 सुझाव 31–60 वर्ष के लोगों से और 3,259 सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से प्राप्त हुए हैं।प्राप्त सुझावों को विषयगत श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया। शिक्षा क्षेत्र से 17,845, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र से 7,983, स्वास्थ्य क्षेत्र से 6,517, समाज कल्याण से 5,070 और कृषि क्षेत्र से 5,673 सुझाव प्राप्त हुए हैं। विशेष रूप से कानपुर देहात, फिरोजाबाद और जौनपुर जनपदों से 3,500 से अधिक फीडबैक प्राप्त हुए।प्रमुख सचिव ने बताया कि आम जनमानस से प्राप्त सुझावों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विशेषकर कृषि, उद्योग और स्टार्टअप के माध्यम से बढ़ाने, तकनीकी नवाचार, डिजिटलाइजेशन और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इन सुझावों को भविष्य में विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में शामिल किया जाएगा।यह अभियान प्रदेश सरकार द्वारा आम जनता की भागीदारी और उनके अनुभवों को विकास नीतियों में शामिल करने की महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

डबल इंजन की सरकार किसानों के हित में बढ़ा रही ड्रिप सिंचाई

लखनऊ, (संवाददाता)। किसानों की समृद्धि और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली को व्यापक स्तर पर लागू कर रही है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि बागवानी फसलों में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई अपनाने से औसतन 50 प्रतिशत तक फसल उपज में वृद्धि दर्ज की जा रही है। गन्ना जैसी प्रमुख नकदी फसलों में भी इसी तकनीक के प्रयोग से समान परिणाम सामने आए हैं।उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में माइक्रोइरीगेशन के अंतर्गत 1.02 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया और 82 हजार से अधिक किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति से लाभान्वित किया गया। इस उपलब्धि को किसानों की मेहनत, तकनीक के उचित उपयोग और सरकार के सहयोग का परिणाम बताया गया। अधिकारियों को अधिक से अधिक किसानों को योजना की जानकारी देने, ड्रिप सिंचाई के लाभ समझाने और आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं।

खाना खा रही मासूम को खींच ले गया वन्यजीव, खेत से मिला क्षत-विक्षत शव

लखनऊ, (संवाददाता)। परागपुरवा गांव में मंगलवार रात दरवाजे पर खाना खा रही मासूम बच्ची को अचानक आए एक वन्य जीव ने दबोच लिया। रातभर खोजबीन के बाद परिजनों ने सुबह गन्ने के खेत में उसका क्षत–विक्षत शव पाया। मौके पर अधिकारी पहुंचे हैं। वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव निवासी रामजीत की चार वर्षीय बेटी ज्योति घर के बाहर अपने बाबा के साथ खाना खा रही थी, तभी अचानक एक वन्य जीव वहां आ धमका और बच्ची को दबोचकर खेतों की ओर ले भागा। परिजनों और ग्रामीणों ने पीछा किया लेकिन बच्ची का कुछ पता नहीं चला। रातभर खोजबीन चलती रही, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह जब परिजनों ने फिर तलाश शुरू की तो घर से करीब 400 मीटर दूर गन्ने के खेत में बच्ची का शव क्षत–विक्षत हालत में बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि वन्य जीव बच्ची का एक हाथ खा गया। बच्ची के शव को देखते ही मां पछाड़े खाकर बेहोश हो गई, किसी तरह परिजनों ने सम्हाला। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम कैसरगंज अखिलेश सिंह, तहसीलदार और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है, वहीं वन विभाग की टीमें हिंसक वन्य जीव की तलाश में जुट गई हैं। रेंजर ओमकार यादव ने बताया कि वन्य जीव के पग चिह्न बहुत साफ नहीं दिख रहें हैं। फिलहाल वन विभाग की पूरी टीम वन्य जीव की तलाश में जुटी हुई है। ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। बच्ची की मौत से गांव में दहशत का माहौल है। महिलाओं ने बताया कि जब वे मृतका के घर संवेदना व्यक्त करने जा रही थी।

उत्तर प्रदेश ने 156 घंटे निरंतर सफाई अभियान की घोषणा की

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वच्छता पखवाड़ा 2025 पर सभी राज्यों की बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पिछले वर्ष के 155 घंटे निरंतर सफाई अभियान में उत्तर प्रदेश के उल्लेखनीय प्रयासों की प्रशंसा की। यह अभियान उत्तर प्रदेश सरकार के शहरी विकास मंत्री ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित किया गया था, जिसमें प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के मानकों को ऊंचा उठाने के लिए ठोस कदम उठाए गए। इस वर्ष उत्तर प्रदेश ने एक और बड़ी पहल की घोषणा की है। 25 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक 156 घंटे निरंतर सफाई अभियान चलाया जाएगा, जो राष्ट्रव्यापी स्वच्छता आंदोलन के साथ समन्वित होगा। इस अभियान के तहत शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता लक्षित इकाइयों (सीटीयू) की सफाई के साथ–साथ कूड़ाघरों और सार्वजनिक स्थानों के सुधार पर विशेष जोर दिया जाएगा।बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्रियों ने राज्य मिशन निदेशक के साथ आगामी अभियान की तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा की। शहरी विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष स्वच्छता ही सेवा 2024 के दौरान प्रदेश में 1.09 लाख से अधिक स्वच्छता लक्षित इकाइयों की सफाई सफलतापूर्वक की गई थी। इसके अलावा विभिन्न शहरी स्थानीय निकायों में कई कूड़ाघरों का सुधार किया गया और शहरों के सार्वजनिक स्थानों की सफाई में तेजी लाई गई।मंत्री ने आगे बताया कि आगामी अभियान का उद्देश्य प्रदेश में स्वच्छ शहर, स्वस्थ परिवेश और स्वच्छ भारत की दिशा में सक्रिय जन भागीदारी सुनिश्चित करना है।

स्वास्थ्य विभाग करेगा "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान का संचालन

लखनऊ, (संवाददाता)। पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में मनाए जाने वाले सेवा पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य विभाग कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित करेगा। उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि इस पखवाड़े में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 के मध्य चरणबद्ध तरीके से सभी जिला स्वास्थ्य इकाइयों और प्रमुख स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की जाएगी और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, राज्य के सभी जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कालेजों और विशिष्ट चिकित्सालयों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि रक्तदान शिविरों में रक्त का संग्रहण केवल भंडारण क्षमता के अनुरूप किया जाए और अधिक रक्तदाताओं के लिए उनका पंजीकरण कर भविष्य के लिए विवरण सुरक्षित रखा जाए। स्वास्थ्य शिविरों में निजी क्षेत्रों की इकाइयों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, ग्राम्य विकास, पंचायती राज विभागों से समन्वय स्थापित कर आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम और सीएचओ की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के उद्घाटन समारोह में स्थानीय सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त सहायक अभियंता की नौकरानी के पति ने गोली मारकर की हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। मंगलवार सुबह पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त सहायक अभियंता अरुण कुमार मिश्र (68) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी सिक्योरिटी गार्ड मनोज है जिसकी पत्नी अरुण के घर में झाड़ू–पोछा व खाना बनाने का काम करती है। अरुण के भतीजे नितिन ने मनोज के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्र के मुताबिक अरुण कुमार मिश्र आठ साल पहले कानपुर से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी अंजू सीतापुर में सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हैं। 25 साल से दोनों के बीच विवाद चल रहा है। अंजू सीतापुर में अकेले रहती हैं। अरुण का बेटा अनुज अपने परिवार संग विदेश में रहता है। अरुण के घर में बीकेटी के भैंसामऊ निवासी रामा देवी घरेलू काम और खाना बनाने का काम करती है। वह दो दिन से अरुण के घर पर छह साल के बेटे के साथ रुकी थीं। अरुण के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में सुबह 11रू14 बजे रामा देवी का पति सिक्योरिटी गार्ड मनोज पांडेय बाइक से पहुंचता दिखा। वह हेलमेट लगाए था। रामा देवी के मुताबिक पति लाइसेंसी बंदूक लेकर घर में घुसा और उनसे झगड़ा करने लगा। आवाज सुन अरुण भी आ गए और मनोज को समझाने लगे। इस पर मनोज भड़क गया और लाइसेंसी बंदूक उनके सीने पर सटा कर गोली मार दी जो सीने के आर–पार हो गई। मौके पर ही अरुण की मौत हो गई। सीसीटीवी में 11रू28 बजे आरोपी बिना हेलमेट के बाइक से भागते दिखा। फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्यरू पड़ोसी की सूचना पर अलीगंज डंडइया निवासी भतीजे नितिन पहुंचे। मड़ियांव पुलिस ने साक्ष्य एकत्र करने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। नितिन की तहरीर पर आरोपी मनोज के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। नितिन ने ये आरोप भी लगाया कि आरोपी मनोज उनके चाचा के मकान पर नजर रखे था, हालांकि इसका जिक्र उन्होंने तहरीर में नहीं किया। एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश कर रही हैं। तीन दिन पहले ही उज्जैन से लौटे थेरू मुहल्ले के लोगों ने बताया कि अरुण बहुत शांत व दयालु स्वभाव के थे। तीन दिन पहले ही वह उज्जैन से महाकाल के दर्शन करके लौटे थे। अरुण फैजुल्लागंज निवासी 18 वर्षीय खुशी का बचपन से खर्च उठाते आ रहे थे। हत्या की खबर सुन खुशी भी अपने मां के साथ रोते बिलखते पहुंची।

समूह की महिलाओं द्वारा बनाए उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी मिले अवसर- श्री राजकुमार विश्वकर्मा

जौनपुर शताब्दी संकल्प 2047 (समृद्धि शताब्दी पर्व) विकसित भारत के अंतर्गत समर्थ विकसित उत्तर प्रदेश की

परिकल्पना के संदर्भ में शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी सेवानिवृत्त आईपीएस श्री राजकुमार विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त आईपीएस श्री प्रमोद कुमार, सचिव मानवाधिकार आयोग श्रीमती धनलक्ष्मी, सेवानिवृत प्रोफेसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय श्री धरनीधर दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 सुरेश कन्नौजिया, सहित जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट सहित अन्य द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग तथा समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए लगाए गए प्रदर्शनी का फीता काट कर उद्घाटन किया गया तथा विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया गया। समूह के द्वारा बनाए गए उत्पाद को देखकर नोडल अधिकारीगण ने उनकी सराहना की तथा प्रोत्साहित किया। दो बच्चों दक्ष और शाश्वत का अन्नप्राशन भी कराया गया। इसके उपरान्त कलेक्ट्रेट सभागार में नोडल अधिकारीगण द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्जवलित किया गया। अधिकारियों द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित बुके देकर स्वागत किया गया एवं अतिथिगण को समूह द्वारा उत्पादित सामग्रियों की टोकरी (गिफ्ट हेम्पर) महिलाओं द्वारा भेट किया गया। कोडल अधिकारियों द्वारा विकसित भारत / 2047 के दृष्टिगत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ भविष्य की योजनाओं व विकसित भारत संकल्प के पहलुओं पर भी विचार विमर्श किया गया। नोडल अधिकारीगण द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मेरी जुबानी मेरी कहानी के बारे में जानकारी ली गयी, जिसमें विद्युत सखी सुनिता निषाद, बैंक सखी पुष्पा मौर्य, वी0ओ0 अध्यक्ष जाफरून निशा, एफ.एल.सी.आर.पी. शिवांगी पाल व अन्य महिलाओं द्वारा मेरी जुबानी मेरी कहानी के माध्यम से अपनी सफलता के बारे में बताया गया। नोडल अधिकारियों द्वारा एन.आर.एल.एम. के कार्यों की सराहनाध्प्रशंसा की गयी। नोडल अधिकारी श्री राजकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अन्य विभाग के समन्वय करते हुए ।

शारदीय नवरात्रि की प्रारंभ होने में रह गए हैं कुछ दिन शेष,दुर्गापूजा पंडालों का निर्माण कार्य चल रहा तेजी से

अयोध्या।शारदीय नवरात्रि प्रारंभ होने मे कुछ ही दिन शेष रह गए हैं।शारदीय नवरात्र की तैयारी को लेकर जहां एक और शहर के प्रमुख मंदिरों का रंग रोगन कार्य तेजी से चल रहा है।इस दौरान दुर्गा पूजा की तैयारी जोर–शोर से चल रही है।दुर्गा पूजा रामलीला कमेटी के पदाधिकारी जिला प्रशासन तथा अन्य लोगों के साथ बैठकर अभी से ही इस पर्व को सकुशल संपन्न करने के लिए बैठक कर रहे हैं। वहीं दुर्गा पूजा स्थापित करने वाले पदाधिकारी भी शहर के विभिन्न चौराहों, मार्गो पर खासकर मकबरा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर पंडालों का निर्माण कार्य भी करने में जुटे हैं।शहर के नाका चुंगी,मकबरा, के अलावा प्रमुख स्थान व चौराहों पर जोर–जोर से पंडाल का कार्य चल रहा है।वही वजीरगंज,हैदरगंज के अलावा अन्य प्रमुख स्थानों पर मूर्तिकार मां दुर्गा सहित अन्य देवी देवताओं की मूर्ति बनाने में जुटे हुए हैं और अंतिम रूप दे रहे हैं।इस बार शहर में दुर्गा पूजा का आयोजन करने वाले संगठनों द्वारा श्रद्धालुओ को माता रानी के विभिन्न स्वरूपों में दर्शन देंगी।वहीं एक से बढ़कर एक भव्य व दिव्या पंडालों का निर्माण भी इन पदाधिकारी द्वारा कराया जा रहा है।शहर के फतेहगंज में हमेशा की तरह चर्चित इस बार भी राम जानकी मंदिर पर आदियोगी शिव मॉडल में भव्य पंडाल सजाया जा रहा है जोकि आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा।दुर्गा पूजा के साथ–साथ रामलीला कमेटी द्वारा तैयारी भी जोर–जोर से चल रही है।इस बार हैदरगंज,वजीरगंज, साहबगंज, कोठा पारचा, फतेहगंज सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर रामलीला कमेटी के पदाधिकारी द्वारा हमेशा की तरह आकर्षक रूप में रामलीला का मंचन किया जाएगा।जबका ग्रामीण क्षेत्रों में रामलीला का मंचन प्रारंभ हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर शिक्षकों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त कराने की मांग को लेकर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में महाज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई जिलाध्यक्ष डॉ. अतुल प्रकाश यादव ने की। शिक्षकों का भारी हुजूम कलेक्ट्रेट पहुंचा और सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को प्रधानमंत्री एवं मानव संसाधन विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ. यादव ने कहा कि 2009 से पूर्व नियुक्तियां उस समय की सेवा शर्तों के आधार पर हुई थीं, लेकिन संसद ने 2017 में संशोधन कर टीईटी को अनिवार्य बना दिया और सर्वोच्च न्यायालय ने 1 सितंबर 2025 को इसे सभी शिक्षकों पर लागू करने का आदेश जारी किया। उन्होंने इसे नैसर्गिक न्याय के विपरीत बताया और

नियमों में संशोधन की मांग की। उन्होंने कहा, "शिक्षकों को परीक्षा देने से कोई भय नहीं है, लेकिन जब नियुक्तियां तय शर्तों के आधार पर पहले ही हो चुकी हैं तो टीईटी की बाध्यता अनुचित है।" इस दौरान भारी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। जिनमें प्रमुख रूप से शिवकुमार सरोज, रविंद्र बहादुर सिंह, कुंवर यशवंत सिंह, आनंद कुमार यादव, राय साहब यादव, जय सिंह यादव, शशिकांत यादव, दुष्यंत मिश्र, सुरेश चंद्र पाठक, संजय सिंह, मिश्रीलाल, विजय लक्ष्मी यादव, आराधना चौहान, रेखा भारती, सरिता यादव, कल्पना यादव, ओंकारनाथ यादव, धीरज यादव, विनय यादव, संतोष कनौजिया, शेर बहादुर मौर्य, त्रिवेणी प्रसाद सरोज, मयेनद सिंह, बृजेश सिंह, आशुतोष, सुभाष चंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, जयप्रकाश यादव, सुदर्शन मिश्र, राममिलन, प्रेम बहादुर यादव, ज्ञान प्रकाश मौर्य, चंद्रकांत पांडेय, कमलेश उपाध्याय, जितेंद्र तिवारी, उमेश दुबे सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल रहे।

नीम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,11 सितंबर ।मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के बुजुर्गा गांव में एक युवक का शव नीम के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ मिला। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। गांव निवासी ओमप्रकाश गौतम (46) घर से निकले थे। लगभग 6रू30 बजे गांव का एक 15 वर्षीय किशोर खेत में पानी भरने गया तो उसने नीम के पेड़ पर ओमप्रकाश को लटकते देखा। वह घबराकर घर की ओर भागा और परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और ओमप्रकाश को जिंदा समझकर पेड़ से उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

विकसित भारत का लक्ष्य2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की तैयारी – राजकुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,11 सितंबर । केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की संयुक्त टीम ने जौनपुर का तीन दिवसीय दौरा किया। टीम में मानवाधिकार की केंद्रीय सचिव धनलक्ष्मी और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी राज कुमार विश्वकर्मा व प्रमोद कुमार शामिल थे। टीम ने राष्ट्रीय शहरी व ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला समूहों से संवाद किया। साथ ही जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। पहले दिन स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों और पूर्वांचल विश्वविद्यालय व मेडिकल कॉलेज के छात्र–छात्राओं से मुलाकात की। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी राज कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है। वर्तमान में अमेरिका की इकोनॉमी 30 ट्रिलियन डॉलर और चीन की 19.5 ट्रिलियन डॉलर है। भारत की इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक इसे 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान इकोनॉमी 0.3 ट्रिलियन डॉलर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे 5–6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 12 सेगमेंट तय किए गए हैं। इनमें कृषि, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और शिक्षा प्रमुख हैं। विश्वकर्मा ने कहा कि जौनपुर का भविष्य उज्जवल है। वाराणसी की निकटता के कारण यहां पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। केवल औद्योगिक विकास की कमी है, जिसे जल्द दूर किया जा सकता है।

अयोध्या से वाराणसी तक बनेगा हाईस्पीड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेस वे

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या से बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी तक हाईस्पीड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द ही शुरू होने जा रहा है।जिससे दोनों आध्यात्मिक शहरों की दूरी मात्र दो घंटे में तय की जा सकेगी। पूर्व सांसद लल्लू सिंह अयोध्या से वाराणसी के मध्य सड़क परिवहन को उच्च स्तर पर विकसित करने के लिए लम्बे समय से प्रयासरत थे।नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एक्सप्रेस वे की कांन्सटेंसी के लिए टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। जिसमें चयनित संस्था इसके लिए डीपीआर बनाएगी। प्रस्तावित एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा, जिससे अयोध्या से दिल्ली तक की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। लगभग 200 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के बन जाने से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अयोध्या में कई बड़ी परियोजनाएं चलाई गई हैं।इनमें 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, रामजानकी मार्ग अयोध्या से जनकपुर, अयोध्या–सुल्तानपुर व अयोध्या–जगदीशपुर मार्ग, राम वन गमन मार्ग के साथ–साथ यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखकर लखनऊ हाईवे पर अनेक ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण शामिल है।इसके अलावा, अयोध्या बाईपास का सौंदर्यीकरण 55 करोड़ की लागत से कराया गया है। शहर के यातायात दबाव को कम करने और राष्ट्रीय महत्व की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए रिंग रोड का काम प्रगति पर है। वहीं, अयोध्या–प्रयागराज ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल 6 लेन हाईवे के प्रथम चरण में प्रतापगढ़ तक के लिए सीमांकन की प्रक्रिया चल रही है। इन परियोजनाओं के पूरे होने पर अयोध्या उत्तर भारत का एक प्रमुख सड़क संपर्क केंद्र बन जाएगा, जिससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने एक्सप्रेसवे निर्माण को अयोध्या और पूर्वांचल के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।उन्होंने कहा, अयोध्या से वाराणसी हाईस्पीड एक्सप्रेसवे का निर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।अयोध्या की पावन धरती के संत–महंतों और आम जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गड़करी का आभार व्यक्त करता हूं।इस एक्सप्रेसवे से न केवल अयोध्या की देशभर से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन, उद्योग और व्यापार को भी नई गति मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

मछुआ समुदाय को मत्स्य पालक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करायेः–सभापति

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

गुरुवार को विकास भवन के स्वर्ण जंयती सभागार में मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओंध् परियोजनाओं के कार्यो की समीक्षा बैठक वीरू साहनी, सभापति उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लिमिटेड की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में सभापति ने प्रभारी निदेशक मत्स्य धनन्जय कुमार को निर्देश दिये कि समस्त पंजीकृत मछुआ समुदाय के लोगो को भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मत्स्य पालक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराये तथा तालाबों के पट्टे मछुआ समुदाय को

ही करें और किसी को गंभीर बीमारी है तो उसका मछुआ दुर्घटना बीमा योजना के माध्यम से पांच लाख तक मुक्त ईलाज कराया जायेगा।

बैठक उन्होने ने निर्देश दिये कि जिन मछुआ समुदाय के लोगों ने बीमा नहीं कराया उनका गांवों में कैम्प आयोजित कर बीमा करायें तथा किसान क्रेडिट कार्ड बनवायें और तहसीलों के जिन गांवों के तालाबों की नीलामी नहीं हुई उसकी प्रक्रिया तत्काल प्रारम्भ करायें तथा जहां तालाबों पर अवैध कब्जा है उनकों राजस्व एवं पुलिस टीम के माध्यम से कब्जा मुक्त करायें तथा कब्जा करने वालों पर सख्त कार्यवाही करायें और मछुआ बाहूल्य ग्रामों में सोलर स्ट्रीट लाइट नेडा विभाग से लगवायें। बैठक अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पूनम भास्कर, एलडीएम अरविन्द रंजन, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम एवं मछुआ समुदाय के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

युवक ने पत्नी और बेटी पर कुल्हाड़ी से प्रहार किया, पत्नी की मौत, बेटी घायल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

अतरौली थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। घटना में मां को बचाने आई बेटी भी घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक रामसनेही पत्नी वेदना के चरित्र पर शक करता था। इसके कारण आए दिन घर में विवाद होता था। बुधवार रात भी विवाद हुआ। इस दौरान रामसनेही ने वेदना की पिटाई कर दी। इसी बीच रामसनेही ने कुल्हाड़ी से पत्नी वेदना(35) की गर्दन पर वार कर दिया। उसे रोकने आई बेटी रेशमा (13) पर भी कुल्हाड़ी चला दी। घटना की जानकारी पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरावन पहुंचाया। यहां वेदना को मृत घोषित कर दिया गया ,जबकि रेशमा को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि मृतका के चचेरे देवर रामनरेश की तहरीर पर रामसनेही के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रामसनेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मण्डल स्तरीय कला उत्सव 2025 की तिथि व स्थल घोषित

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ मण्डल के 6 जिलों के विजेता होंगे सम्मिलित कुल 12 विधाओं में कराई जाएगी प्रतियोगिता लखनऊ मण्डल से उत्कृष्ट कलाकार विद्यार्थियों का चयन है कला उत्सव का मुख्य उद्देश्य निजी स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के संरक्षकत्व तथा समग्र शिक्षा माध्यमिक के निर्देशन में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले मण्डलीय कला उत्सव की तिथि व स्थल की घोषणा की जा चुकी है।

मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाले कला उत्सव का विषयवस्तु – विकसित भारत–वर्ष 2047 के भारत की परिकल्पना ,मण्डल स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन 20 सितम्बर 2025 (दिन शनिवार) को पायनियर मांटेसरी इण्टर कॉलेज एल्डिको उद्यान –1बंगला बाजार लखनऊ में प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ मण्डल के सभी जिलों हरदोई,उन्नाव,सीतापुर,लखनऊ, रायबरेली,लखीमपुर खीरी के जनपद स्तरीय कला उत्सव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं, लखनऊ मण्डल के सभी डी आई ओ एस को मण्डलीय कला उत्सव में जनपद से सभी विजेताओं को ससमय प्रतिभाग करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मण्डलीय कला उत्सव की नोडल आकांक्षा पाठक ने बताया कि इस वर्ष के कला उत्सव के अन्तर्गत बारह विधाओं के प्रस्तुतिकरण में कुछ बदलाव किए गए हैं जिसको लखनऊ मण्डल के सभी जनपदों को अवगत करा दिया गया है। डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इस बार मण्डलीय कला उत्सव के अन्तर्गत 12 (बारह) विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा जिनमें

1–संगीत गायन एकलरूशास्त्रीय

2– संगीत गायन समूहरूसमूह(अधिकतम 04 विद्यार्थी)

3–संगीत(वादन) एकल–(स्वर वाद्य)–शास्त्रीय

4–संगीत(वादन) एकल (ताल वाद्य)–शास्त्रीय

5–संगीत वादन (समूह)–शास्त्रीय–(अधिकतम 04 विद्यार्थी)

6–नृत्य (एकल)–शास्त्रीय

7–नृत्य समूह रूलोक(अधिकतम 04 विद्यार्थी)

8–नाटक समूहरूलघु नाटिका (अधिकतम 04 विद्यार्थी)

9–दृश्य कला एकल द्वि–आयामी (चित्रकला)

10–दृश्य कला एकल त्रि–आयामी (मूर्तिकला)

11–दृश्य कला (समूह)रू स्थानीय शिल्प (अधिकतम 02 विद्यार्थी)

12–पारम्परिक कहानी वाचन समूहरूप्रतिभागी कहानी वाचन में किसी एक या एक से अधिक कला स्वरूपों का प्रयोग कर सकते हैं (02 विद्यार्थी)

स्वामी विवेकानन्द के शिकागो में दिए विचार आज भी प्रासंगिक: डॉ रसिकेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,11 सितंबर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास (एच आर डी) विभाग द्वारा विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 में शिकागो में दिए 132 वीं वर्षगांठ पर विवेकानंद के दर्शन पर आधारित कार्यशाला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यवसाय प्रबंध विभाग के प्राध्यापक एवं निर्णायक उद्देश्य सिंह ने कहा कि आज युवाओं को स्वामी जी की ही तरह निर्भीक एवं आध्यात्मिक होने की आवश्यकता है स्वामी जी का 11 सितंबर का भाषण अभूतपूर्व था जिसे आज भी याद किया जाता है। आज युवाओं को फिल्म और सोशल मीडिया के अभिनेताओं से नही बल्कि युवा आइकॉन स्वामी जी को अपना रोल मॉडल बनाना होगा। विभागाध्यक्ष डॉ रसिकेश ने कहा की 132 वर्ष पूर्व दिए स्वामी जी के संछिप्त भाषण को आज की पीढ़ी न सिर्फ देशी बल्कि विदेशी भी अप्रतिम मानते है। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर विभागाध्यक्ष डॉ रसिकेश एवं उद्देश्य सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके किया गया। विभाग की छात्रा अवंतिका एवं राज द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया। ततपश्चात स्वामी विवेकानन्द के 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में दिए ऐतिहासिक मूल भाषण को छात्रों के लिए पावर पॉइंट आडियो वीडियो के द्वारा प्रदर्शित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अनुराग तिवारी , द्वितीय पुरस्कार संजना मिश्रा , तृतीय पुरस्कार वैशाली राय , चतुर्थ पुरस्कार पूजा साहू एवं पंचम पुरस्कार अमृता सिंह ने को मिला।मुख्य अतिथि और डॉ रसिकेश ने पुस्तक देकर विजेताओं को सम्मानित किया। अंत मे दया कर दान भक्ति की गीत अनु पांडेय , गौरी सिंह और अर्शला खान द्वारा प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन निधि सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव एवं राज सैनी ने किया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक अनुपम एवं डॉ प्रवीण मिश्रा, द्विव्यांशु सिंह सहित विभाग के छात्र ऋषिता , उज्ज्वल, निधि , कपिल, निवेदिता, राज, अवंतिका, अनु, गौरी, खुशी सिंह, पारुल श्रीवास्तव, जाह्नवी राय, दिवांशु सिंह, संजना मिश्रा सहित समस्त छात्र उपस्थित थे।

अल्लीपुर महाविद्यालय ने रचा इतिहास एम0एस-सी0 भौतिक विज्ञान मे लगातार दूसरे बर्ष गोल्ड मेडल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

अल्लीपुर महाविद्यालय ने अपना ही रिकार्ड तोड़ते हुए इस वर्ष लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 7 गोल्ड मेडल प्राप्त किये। अल्लीपुर महाविद्यालय के बी0एड0के विद्यार्थियों ने तीसरी बार लगातार गोल्ड मेडल प्राप्त कर लगाई गोल्ड मेडल की हैट्रिक साथ ही एमएससी फिजिक्स तथा एमए सोसलॉजी में भी चार गोल्ड मेडल प्राप्त किये । सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित डॉ० राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर,

हरदोई के छात्र–छात्राओं को लखनऊ विश्वविद्यालय के 68 वे दीक्षांत समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कुल 7 गोल्ड मेडल प्राप्त हुए हैं। जिसमें बी०एड० में सुश्री चारु अस्थाना ने 83.79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय द्वारा दो गोल्ड मेडल , एम० ए० समाजशास्त्र में सुनैना पाठक ने समाजशास्त्र विषय में 83. 92ः अंकों के साथ चार गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं । एम.एस–सी.भौतिक विज्ञान में नीतिका द्विवेदी ने 84.33 प्रतिशत अंकों के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया है । यह गोल्ड मैडल लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 68 वें दीक्षांत समारोह में महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल राज्यपाल उत्तर प्रदेश, योगेन्द्र उपाध्याय कैबिनेट शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, रजनी तिवारी राज्य शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्य अतिथि श्री शेखर सी पाण्डेय पूर्व महानिदेशक वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने बच्चों को प्रदान किए। महाविद्यालय को संचालित करने वाली संस्था सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान के संस्थापक प्रबंधक डॉ सुशील चन्द्र त्रिवेदी ष्मधुपेशष जी ने इस अवसर पर सभी स्वर्ण पदक प्राप्त विजेताओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय स्तर पर एमएससी वनस्पति विज्ञान में आंचल दीक्षित ने 80ः अंक एमएससी रसायन विज्ञान के अनुभव सिंह ने 79.5ः अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया एमएससी भौतिक विज्ञान में नीतिका द्विवेदी ने 84.33 प्रतिशत अंक एमएससी जंतु विज्ञान में अमर सिंह ने 77.83ः अंक एमए समाजशास्त्र में सुनैना पाठक ने 83.92ः अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में चार गोल्ड मेडल प्राप्त किये । शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम उपलब्धि के साथ ही शिक्षणेत्तर कार्यों में कीर्तिमान स्थापित किये हैं। प्रेसवार्ता में डा शशिकांत पांडेय, डा रश्मि द्विवेदी, आनन्द विशारद, संजीव अस्थाना, संजय श्रीवास्तव, अवन्तिका अस्थाना, अनूप सिंह, सुमन कुशवाहा, नीरज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।